

## रॉबर्ट वानॉय, निर्वासन से निर्वासन, व्याख्यान 1ए

### पाठ्यक्रम अवलोकन, निर्गमन का शीर्षक, निर्गमन की तिथि

आईए पाठ्यक्रम अवलोकन

मुझे इन हैंडआउट्स पर कुछ टिप्पणियाँ करने दें जो बताएंगी कि हम अगले 13 सप्ताह तक क्या करेंगे। सबसे पहले पाठ्यक्रम विवरण पृष्ठ लें। मुझे उस प्रथम पाठ्यक्रम विवरण को पढ़ने दीजिए; मुझे नहीं लगता कि यह कैटलॉग में प्रकाशित हुआ है। यह पाठ्यक्रम मिस्र में दासता से इज़राइल के बच्चों की मुक्ति, माउंट सिनाई पर भगवान के अनुबंधित लोगों के रूप में उनकी स्थापना और जिस तरह से इज़राइलियों ने माउंट सिनाई छोड़ने के बाद से अपने वाचा के दायित्वों को अपनाया या अस्वीकार कर दिया, उस पर बारीकी से नज़र रखता है। लगभग 1400 से 1200 ईसा पूर्व—वह सटीक तारीख बहस का विषय है; हम उस प्रश्न पर बहुत जल्दी विचार करेंगे - जब तक कि वे लगभग 500 ईसा पूर्व निर्वासन से वापस नहीं आ गए, तो समय की यह लंबी अवधि निर्गमन के समय से लेकर जोशुआ के काल तक सिनाई पर्वत पर एक राष्ट्र के रूप में भगवान के लोगों के गठन से आगे बढ़ रही है। न्यायाधीश, शमूएल, राजा, निर्वासन में और एज़्रा और नहेमायाह में लौट आए। कक्षा चर्चा का ध्यान पेंटाटेच की कथा सामग्री और जोशुआ, न्यायाधीशों और सैमुअल की पुस्तकों पर होगा। मैं किंग्स और क्रॉनिकल्स, एज़्रा और नहेमायाह के साथ बहुत कम काम करने जा रहा हूँ। मैं कक्षा में होने वाली चर्चा को एक्सोडस की पुस्तक की ओर अधिक महत्व दूंगा, जो कि पुराने नियम में आने वाली हर चीज की नींव है।

1. असाइनमेंट बाहरी असाइनमेंट यह देखेंगे कि पुराने नियम के ऐतिहासिक आख्यानों से आज के लिए अर्थ कैसे खोजा जाए। अब यह काफी बड़ा और जटिल प्रश्न है। क्या इन आख्यानों को मुख्य रूप से पुराने नियम के दुष्टों या संतों के जीवन, या तो अधर्मी या ईश्वरीय व्यवहार के उदाहरण प्रदान करने के रूप में समझा जाना चाहिए जैसा कि आज भगवान के लोगों को होना चाहिए? इसे ही पुराने नियम के इतिहास के चरित्र अध्ययन का उदाहरणात्मक उपयोग कहा जाता है। चरित्र अध्ययन के बारे में ऐसी किताबें लिखी गई हैं जहां आप डेविड या डैनियल, अब्राहम या इसहाक जैसे किसी व्यक्ति को लेते हैं और आप उनके जीवन से उन चीजों का वर्णन करते हैं जो उन्होंने

अच्छा किया था और हमें उनका अनुकरण करना चाहिए या उनका अनुसरण करना चाहिए। क्या आप इन आख्यानो से आज के लिए इसी तरह अर्थ ढूँढते हैं? या, क्या इन आख्यानो को अधिक उचित रूप से समझा गया है, जिसका उद्देश्य यह वर्णन करना है कि पुराने नियम के काल में भगवान मुक्ति की अपनी महान योजना को पूरा करने के लिए कैसे कार्य कर रहे थे? दूसरे शब्दों में, मनुष्य क्या करते हैं या क्या नहीं करते, इस पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय क्या इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि ईश्वर क्या कर रहा है? बेशक, अक्सर मानव व्यक्तियों के माध्यम से आपका फोकस मानवकेंद्रित के बजाय थियोपोसेंट्रिक होता है। इन दोनों में बहुत बड़ा अंतर है। या, क्या यह इन दोनों दृष्टिकोणों का कुछ संयोजन है? इन सवालों पर किसी का दृष्टिकोण पुराने नियम की कहानियों में समकालीन अर्थ और मूल्य पाए जाने के तरीके को कैसे प्रभावित करता है?

पाठ्यक्रम का उद्देश्य केवल पुराने नियम के ऐतिहासिक आख्यानो की सामग्री और उनके साहित्यिक, ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भ में पुरातात्विक निष्कर्षों सहित प्राचीन दुनिया में उनकी ऐतिहासिक सेटिंग से परिचित होना है। यह निश्चित रूप से पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य उस धार्मिक परिप्रेक्ष्य को समझना है जो अब तक लिखे गए कुछ महानतम आख्यानो में व्यक्त होता है।

2. थियो-ड्रामा [वानहुज़र] मुझे नहीं पता कि आप में से कई लोगों ने केविन वानहुज़र की कुछ किताबें देखी हैं या नहीं; वह बाइबल को समग्र रूप से एक थियो-ड्रामा के रूप में बोलता है। यह एक दिलचस्प शब्द है, मेरा मानना है कि उन्होंने इसे इसलिए गढ़ा क्योंकि आप देख सकते हैं कि ईश्वर क्या कर रहा है। मुझे लगता है कि इसे आमतौर पर बाइबल की कहानियों के प्रति मुक्तिदायी ऐतिहासिक दृष्टिकोण कहा जाता है। बाइबल मूलतः उत्पत्ति 3:15 से मुक्ति की कहानी है जहाँ वादा किया गया था कि स्त्री का वंश साँप के सिर को कुचल देगा। निस्संदेह, साँप शैतान था। बाइबिल का बाकी हिस्सा उस वादे की पूर्ति है जैसे आप इब्राहीम से डेविड तक मैथ्यू 1:1 तक जाते हैं, "यीशु मसीह, इब्राहीम का पुत्र, डेविड का पुत्र।" इसलिए इज़राइल का प्रारंभिक इतिहास इज़राइल की ओर से ईश्वर की मुक्तिदायी शक्ति की प्रकृति को समझने के लिए महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम 2 राजाओं के माध्यम से निर्गमन में दर्ज इज़राइल के इतिहास का एक सर्वेक्षण

प्रदान करता है, जिसमें चुनिंदा ग्रंथों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जहां यह बाइबिल कथा के व्याख्याशास्त्र को भी संबोधित करता है। पूर्व शर्त उत्पत्ति है, जो पुराने नियम के इतिहास पाठ्यक्रम की नींव है। मुझे यकीन नहीं है कि इसे एक शर्त के रूप में कितनी कठोरता से लागू किया गया है, लेकिन आम तौर पर इस पाठ्यक्रम को लेने से पहले आपके पास बाइबिल इतिहास में नींव होनी चाहिए। पाठ्यक्रम की विधि तीन क्रेडिट घंटे के स्नातक पाठ्यक्रम के रूप में है, प्रति सप्ताह लगभग 9 घंटे काम की आवश्यकता होती है, कक्षा में एक घंटा और कक्षा के बाहर प्रति क्रेडिट घंटे दो घंटे। यही सामान्य अपेक्षा है। आप में से कुछ को उतने समय की आवश्यकता नहीं हो सकती है और आप में से कुछ को अधिक समय की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन इसमें शामिल कार्य की मात्रा का सामान्य विचार यही है।

### 3. असाइनमेंट

पढ़ना असाइनमेंट पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम एक मिनट में असाइनमेंट शेड्यूल देखेंगे कि वास्तव में यह क्या है। लेकिन इस पर ध्यान दें, व्याख्यानों को पाठ्य सामग्री में शामिल डुप्लिकेट सामग्री के बजाय पूरक के रूप में डिज़ाइन किया गया है। मैं कक्षा के व्याख्यानों में निर्गमन से निर्वासन तक इज़राइल के इतिहास का सर्वेक्षण करने का प्रयास नहीं करने जा रहा हूँ। आप इसे अपने पढ़ने से प्राप्त करने जा रहे हैं। दूसरे शब्दों में, आपको अपने पढ़ने में निर्गमन से निर्वासन तक के इतिहास के आंदोलन की मूल सामग्री मिलेगी। प्रत्येक सप्ताह एक पढ़ने का कार्य दिया जाता है। असाइनमेंट शेड्यूल देखें। यूजीन मेरिल की रीडिंग तक सीमित प्रत्येक नियत तिथि पर एक प्रश्नोत्तरी की संभावना है। मैं एक मिनट में इसके बारे में कुछ कहूंगा। यह सलाह दी जाती है कि असाइनमेंट सामग्री को ध्यान से पढ़ें, पढ़ते समय अच्छे नोट्स लें। क्विज़ के लिए नोट्स का अध्ययन करें और मध्यावधि और फाइनल के लिए नोट्स की समीक्षा करें। तथ्यात्मक ज्ञान के साथ-साथ अवधारणाओं को समझने की भी आवश्यकता होगी। दूसरे शब्दों में, मैं पढ़ना उतना ही महत्वपूर्ण मानता हूँ जितना कि हम यहाँ कक्षा में क्या कर रहे हैं। यह लगभग एक पढ़ने के पाठ्यक्रम और एक व्याख्यान पाठ्यक्रम की तरह है जो एक दूसरे के साथ-साथ चल रहे हैं।

तुम पढ़ने में मुझसे बहुत आगे निकल जाओगे। जब मैं अभी भी निर्गमन में हूँ तो आप

पेंटाटेच के माध्यम से जोशुआ, न्यायाधीशों और सैमुएल के बारे में जाने वाले हैं। इसे तुम्हें परेशान मत करने दो. मैं प्रत्येक सप्ताह आप जो पढ़ रहे हैं या जो मैं प्रत्येक सप्ताह कक्षा में बात कर रहा हूँ उसे एकीकृत करने का प्रयास नहीं कर रहा हूँ क्योंकि मैं विशेष रूप से निर्गमन में व्याख्या, व्याख्या इत्यादि की कुछ और विशिष्ट समस्याओं से निपटने का प्रयास कर रहा हूँ। मुझे कक्षा के अंतिम या दो सप्ताह तक सैमुअल में शामिल होने की उम्मीद नहीं है। किंग्स को संभवतः करीब 15 मिनट का समय मिलने वाला है. अब किंग्स के पास बहुत सारी सामग्री है; आप देखते हैं कि आप उस सामग्री से हमारे पढ़ने के माध्यम से परिचित होने जा रहे हैं, न कि इस बात से कि मैं यहाँ कक्षा में क्या व्याख्यान दे रहा हूँ। इसलिए पढ़ना महत्वपूर्ण है, और आपको जवाबदेह बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप हर हफ्ते पढ़ते हैं, मैं आपको सेमेस्टर के दौरान मेरिल की रीडिंग पर कई क्विज़ देने जा रहा हूँ।

मैं एक मिनट में उन कार्यों पर वापस आऊंगा लेकिन पृष्ठ 3 के पीछे जाऊंगा। व्याख्यान निर्गमन और माउंट सिनाई सामग्री पर केंद्रित होंगे। मैंने पहले ही उल्लेख किया है कि 1 किंग्स को अंतिम कक्षा तक संबोधित नहीं किया जाएगा और उसके बाद केवल बहुत संक्षेप में। मैं कुछ विशिष्ट व्याख्यात्मक मुद्दों पर विचार करने के साथ-साथ एक्सोडस-सिनाई सामग्रियों पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा हूँ, न कि पुराने नियम के इतिहास की संपूर्ण अवधि को कवर करने का प्रयास करूंगा। तो फिर से पाठ्यक्रम की बहुत सारी सामग्री पढ़ने के कार्य पर निर्भर है।

4. ग्रेडिंग      ग्रेडिंग. इसके तीन घटक हैं: एक तिहाई पढ़ने पर प्रश्नोत्तरी है, और हिब्रू कथा पर कुछ लिखित कार्य होगा। जब हम असाइनमेंट पेज को देखते हैं, तो लिखित कार्य और क्विज़ आपके ग्रेड का एक तिहाई होते हैं। मध्यावधि और अंतिम प्रत्येक एक तिहाई भी हैं। तो आपके ग्रेड में तीन कारक हैं। बोल्ड रेखांकित कथनों पर ध्यान दें: अत्यधिक आपातकालीन स्थिति को छोड़कर क्विज़ को पूरा नहीं किया जा सकता है या छोड़ा नहीं जा सकता है। दूसरे शब्दों में, यदि आप यहां आते हैं और पढ़ने के कार्य के लिए नियत तारीख है और मैं एक प्रश्नोत्तरी देता हूँ और आपने इसे नहीं पढ़ा है तो आप यहां आकर यह नहीं कह सकते हैं, "ठीक है, यह या वह हुआ, क्या मैं बना सकता हूँ वह प्रश्नोत्तरी अगले सप्ताह होगी?" अब अगर कोई अत्यधिक आपातकालीन स्थिति है तो मैं इसे

स्वीकार कर लूंगा, लेकिन आपको इसके लिए एक मामला बनाना होगा।

5. आवश्यक पाठ      आवश्यक पाठ। पाठ्यक्रम का मुख्य पाठ यूजीन मेरिल की पुस्तक *किंगडम ऑफ प्रीस्ट्स* है, जो मुझे लगता है कि अब पेपरबैक संस्करण में उपलब्ध है। फिर कई अन्य आवश्यक रीडिंग भी हैं। इस बिंदु पर मैं उस दूसरे हैंडआउट पर जाता हूँ जो असाइनमेंट शेड्यूल देता है क्योंकि कुछ रीडिंग वहां दिखाई देगी। जैसा कि हम इस असाइनमेंट शेड्यूल को देखते हैं, तारीखें नियत तारीखें हैं। मैं चाहता हूँ कि आप अगले सप्ताह मेरिल के पहले दो अध्याय पढ़ें। अब जाहिर तौर पर मैं अगले सप्ताह आपसे प्रश्नोत्तरी नहीं कर सकता, इसलिए उस पाठ को करने के लिए आप स्वयं जिम्मेदार हैं। मैं अगले सप्ताह वापस नहीं आऊंगा और आपसे प्रश्नोत्तरी नहीं करूंगा, लेकिन इन सभी कार्यों को पूरा करने के लिए मुझे उस तिथि पर एक हस्ताक्षर

रखना होगा। हम फरवरी के मध्य तक पहले पृष्ठ पर वापस आएं। आप मेरिल में प्रत्येक सप्ताह दो अध्याय पढ़ रहे हैं। जब आप कक्षा में आते हैं तो आपके पास एक प्रश्नोत्तरी हो सकती है, हो सकता है नहीं। मैं संभवतः वहां सूचीबद्ध सात में से लगभग तीन क्विज़ दूंगा। 19 फ़रवरी मध्यावधि परीक्षा है। फिर हम मेरिल के बाहर कुछ पठन सामग्री में पहुँचते हैं जो बाइबिल सामग्री से आज के लिए अर्थ खोजने के इस प्रश्न से संबंधित है। इसलिए सोमवार, 26 फरवरी के लिए मैं चाहूंगा कि आप सिडनी ग्रीडानस की पुस्तक, *द मॉडर्न प्रीचर एंड द एंशिपेंट टेक्स्ट का अध्याय 9 पढ़ें*, जिसे "प्रीचिंग हिब्रू नैरेटिव्स" कहा जाता है। अब यदि आप हिब्रू आख्यानो का प्रचार करने जा रहे हैं तो निश्चित रूप से आप यह प्रश्न पूछ रहे हैं कि हम हिब्रू आख्यानो से आज के लिए अर्थ कैसे खोजें? मैं चाहता हूँ कि आप इसे उस लेख के साथ पढ़ें जिसे सिडनी ग्रीडानस ने *प्रो रेगे पत्रिका* में "*रिडेम्प्टिव हिस्ट्री एंड प्रीचिंग*" शीर्षक से लिखा था। प्राचीन पाठ के आधुनिक उपदेश का अध्याय 9 और उनका लेख "*रिडेम्प्टिव हिस्ट्री एंड प्रीचिंग*" फोटोकॉपी की गई लाइब्रेरी में आरक्षित हैं। सिडनी ग्रीडानस के ल्विन थियोलॉजिकल सेमिनरी में प्रोफेसर हैं और अन्य लोगों के साथ इस सवाल से जूझ रहे हैं कि बाइबिल की कहानियों से आज के लिए अर्थ कैसे खोजा जाए। वह मोक्षदायी ऐतिहासिक दृष्टिकोण के प्रबल समर्थक हैं, अर्थात्, यह देखना कि ईश्वर इन आख्यानो में अपने मुक्तिदायक कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए क्या कर रहा है। सिडनी बाइबिल कथा का उपयोग करने के लिए

उदाहरणात्मक या अनुकरणीय साधन खोजने में बहुत संशय में है। मुझे लगता है कि वह इसके खिलाफ़ कुछ ज़्यादा ही आगे बढ़ जाता है। उन्होंने जो किया है वह इस मुक्तिदायी ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के बारे में बढ़ती जागरूकता के माध्यम से विशेष रूप से इंजील चर्च में एक महान सेवा है, जिसे अधिकांश इंजील चर्चों में लगभग पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है।

मैं चाहता हूँ कि आप सिडनी ग्रीडानस की पुस्तक *प्रीचिंग क्राइस्ट फ्रॉम द ओल्ड टेस्टामेंट* का अध्याय 7 पढ़ें। उन्होंने पुराने नियम से मसीह के प्रचार के विषय पर एक पुस्तक-लंबा उपचार लिखा है। अध्याय 7 पुस्तक का एक अधिक व्यावहारिक अध्याय है जहां वह पुराने नियम के पाठ से क्रिस्टो-केंद्रित फोकस तक के चरणों की बात करता है। वह वहां एक सूत्र बताता है कि हम ऐसा कैसे करेंगे। मैं कह सकता हूँ कि पूरी किताब पढ़ने लायक है। इसमें आपकी रुचि हो सकती है। हालाँकि इसे पढ़ना कठिन है, इसलिए इस पाठ्यक्रम के लिए केवल अध्याय 7 पढ़ें।

## 6. लेखन कार्य

तब मैं चाहता हूँ कि आप 1 शमूएल 17 पर दो पेज की चर्चा लिखें। पहला शमूएल 17 डेविड और गोलियथ की कहानी है। यह एक ऐसी कहानी है जिसके साथ आप चर्च में बड़े हुए हैं। आप इसे बचपन से जानते हैं लेकिन सामान्य तरीके से। डेविड और गोलियथ की कहानी दलित वर्ग को बढ़ावा देने वाली कहानी बन गई है। अब, यह एक महत्वहीन व्यक्ति के बारे में है जो सरकार या शक्तिशाली सहयोग या व्हिसिल ब्लोअर या उसके जैसी किसी चीज़ के खिलाफ़ खड़ा है। असली सवाल यह है कि आप उस बहुचर्चित कहानी से आज के लिए अर्थ कैसे ढूंढते हैं? मैं चाहता हूँ कि आप ग्रीडानस का यह पाठ करें और फिर 1 सैमुअल 17 के पुराने नियम के संदर्भ में अर्थ और आज हमारे लिए इसके अर्थ पर दो पेज की चर्चा लिखें, जिसमें उस तरीके पर ध्यान दिया जाए जिसमें एक मुक्तिदायक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य दोनों को सूचित करता है और समकालीन पाठक के लिए इस परिच्छेद के महत्व को नियंत्रित करता है। दूसरे शब्दों में, बाइबिल कथा के लिए इस सैद्धांतिक मुक्तिदायी ऐतिहासिक दृष्टिकोण को लें और इसे एक पाठ पर लागू करें और देखें कि क्या आप उस अवधारणा के साथ काम करते हुए आज के लिए कोई अर्थ निकाल सकते हैं। आप यह खोज रहे होंगे कि ईश्वर अपने मुक्ति कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में क्या कर रहा है। सामान्य तरीके से, पुराने

नियम के ऐतिहासिक आख्यानो के लिए समकालीन अर्थ खोजने के लिए सिडनी ग्रीडानस के सुझावों को लागू करने का प्रयास करें। मैं नहीं चाहता कि आप जाएं और इसे किसी प्रकार के गणितीय सूत्र के साथ आजमाएं, बल्कि इन सभी सुझावों को लें और इस पर काम करें। आपको अपनी रचनात्मक अंतर्दृष्टि की आवश्यकता होगी लेकिन ग्रीडानस के कुछ विचारों से अवगत रहें। देखो तुम क्या लेकर आते हो. तो यह तीन सप्ताह का कार्य है। मुझे लगता है कि इससे आपको कुछ अंदाज़ा हो जाएगा कि मैं इस अवधारणा के महत्व को कैसे देखता हूँ। मैं चाहता हूँ कि आप अवधारणा के बारे में सोचें और फिर अवधारणा को लेने का प्रयास करें और इसे एक विशिष्ट पाठ पर लागू करें।

7. अगले सप्ताह के लिए असाइनमेंट पढ़ना आप मेरिल के अध्याय 1 और 2 पढ़ रहे हैं, जिसमें एक्सोडस, लैव्यिकस, संख्याएं और व्यवस्थाविवरण शामिल हैं। निःसंदेह, यह अधिकांश पेंटाटेच है, पाँच में से चार पुस्तकें। मैं चाहता हूँ कि आप मेरिल के पाठ के साथ-साथ उस बाइबिल सामग्री को भी पढ़ें, ताकि आप न केवल मेरिल को पढ़ रहे हों बल्कि आप बाइबिल का पाठ भी पढ़ रहे हों। अब उस पहले असाइनमेंट के लिए मैं कहूँगा कि मेरी रुचि कथा के प्रवाह में है। मैं व्यवस्थाविवरण के माध्यम से लैव्यिकस की सभी कानूनी सामग्री और निर्गमन में इसके कुछ हिस्से के बारे में इतना चिंतित नहीं हूँ क्योंकि हम इसे पद दर पद नहीं पढ़ेंगे। लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप कथा अनुभाग पढ़ें।

उस मुक्तिदायी ऐतिहासिक अभ्यास के बाद कुछ और मेरिल असाइनमेंट हैं, और फिर अंतिम परीक्षा। इसलिए यदि आप उस पहले हैंडआउट पर वापस जाते हैं जहाँ मेरे पास पाठ थे, तो आप देखेंगे कि सभी रीडिंग वहाँ सूचीबद्ध हैं, पहले मेरिल और सिडनी ग्रीडानस द्वारा तीन, और फिर आप अगले पर ध्यान दें, मैं चाहता हूँ कि आप पुरानी ऐतिहासिक किताबें पढ़ें वसीयतनामा, मेरिल के साथ नहेमायाह को निर्गमन।

मैं व्याख्यानों में कई अन्य पुस्तकों और लेखों का संदर्भ दूँगा ताकि इच्छुक छात्र चयनित ग्रंथ सूची की किसी विशेष समस्या पर आगे काम कर सकें। यदि आप इन अगले दो हैंडआउट्स को लेते हैं, कक्षा व्याख्यान की रूपरेखा और चयनात्मक ग्रंथ सूची जो कक्षा व्याख्यान की रूपरेखा के

लिए महत्वपूर्ण है, तो मैं कक्षा व्याख्यान में रूपरेखा का पालन करूंगा, और आप देखेंगे कि रोमन अंक और बड़े ए और फिर अरबी संख्याएं हैं। ग्रंथ सूची पहले शीर्षक में निहित है। "ऐतिहासिक मुद्दे" पुराने नियम की ऐतिहासिक पुस्तकों के लिए केवल कुछ सामान्य संसाधन हैं। लेकिन यदि आप पृष्ठ दो पर जाते हैं तो आपको रोमन अंक I, "मिस्र से मुक्ति, निर्गमन 1 से 11" दिखाई देगा, यह आपके कक्षा व्याख्यान की रूपरेखा में रोमन अंक I के समान है। फिर जैसे-जैसे आप 1ए और 1बी आदि तक नीचे जाते हैं, आपके पास ग्रंथसूची संबंधी प्रविष्टियाँ होती हैं जो कक्षा व्याख्यान रूपरेखा के शीर्षकों के अनुरूप होती हैं। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि, कक्षा व्याख्यान की रूपरेखा में दिए गए इन बिंदुओं में से किसी एक पर ग्रंथ सूची संबंधी संसाधन हैं यदि आप अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो वहाँ कुछ संसाधन हैं जिनका आप पढ़ते समय अनुसरण कर सकते हैं।

## 8. उद्धरण चयन

अब इसे एक कदम आगे ले जाने के लिए, सामग्री का एक अन्य टुकड़ा है जिसे उद्धरण चयन कहा जाता है जो कक्षा व्याख्यान की रूपरेखा के लिए भी महत्वपूर्ण है। वह जो करता है वह कुछ में से कुछ उद्धरण या उद्धरण लेता है, किसी भी तरह से सभी नहीं, बल्कि कक्षा व्याख्यान की रूपरेखा के लिए महत्वपूर्ण ग्रंथ सूची में से कुछ ग्रंथ सूची संदर्भ लेता है। तो मैं यहाँ-वहाँ एक पैराग्राफ लूंगा जो आपको एक संसाधन देता है। अब यदि आप लाइब्रेरी में जाकर इसे ढूँढ़ेंगे और पढ़ेंगे तो यह आपके पास होगा। मैं व्याख्यान के दौरान उस उद्धरण दस्तावेज़ का उपयोग करूँगा। हैंडआउट्स का दूसरा भाग पावरपॉइंट स्लाइड्स का पैकेट है।

असाइनमेंट शेड्यूल पर वापस जाने पर, एक तीसरा पृष्ठ है। वह अतिरिक्त क्रेडिट विकल्प है। निम्नलिखित पुस्तकों में से एक या अधिक को पढ़कर और पुस्तक से सीखी गई सबसे महत्वपूर्ण बात का सारांश देते हुए प्रत्येक पुस्तक के लिए तीन पेज की टाइप की गई रिपोर्ट सबमिट करके इस पाठ्यक्रम से अतिरिक्त क्रेडिट प्राप्त किया जा सकता है। दो पुस्तकें ट्रेम्पर लॉन्गमैन की हैं। ये अर्ध-लोकप्रिय पुस्तकें हैं। वे तकनीकी रूप से अकादमिक उपचार नहीं हैं, लेकिन पहला है *पुराने नियम की समझ बनाना: तीन महत्वपूर्ण प्रश्न* और दूसरा, *इमैनुएल हमारे स्थान पर। इज़राइल की*



*पूजा में मसीह को देखना।* आप अपनी रिपोर्ट में ए के लिए अपने अंतिम ग्रेड को ग्रेड प्वाइंट के 5/10 तक बढ़ा सकते हैं; बी के लिए 4/10; सी के लिए 3/10; और सी से कम के लिए कोई अंक नहीं। तो आप देखते हैं कि इसका मतलब है कि यदि आप उन दोनों पुस्तकों को पढ़ते हैं और अपनी रिपोर्ट पर ए प्राप्त करते हैं तो आप अपने ग्रेड को पूर्ण ग्रेड प्वाइंट तक बढ़ा सकते हैं। कुछ वेबसाइटें भी सूचीबद्ध हैं जो आपको उपयोगी लग सकती हैं।

9. पाठ्यक्रम के उद्देश्य अब पाठ्यक्रम विवरण पर वापस जाएं और पृष्ठ 3 पर जाएं। मैंने इस पाठ्यक्रम के लिए पांच उद्देश्य सूचीबद्ध किए हैं। यहां पांच चीजें हैं जो मुझे आशा है कि आप इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के परिणामस्वरूप हासिल करेंगे और करने में सक्षम होंगे। सबसे पहले, मुझे आशा है कि आप नहेमायाह के माध्यम से निर्गमन के पुराने नियम के ऐतिहासिक आख्यानो में मुख्य तथ्यों, व्यक्तियों, स्थानों और घटनाओं के बारे में ज्ञान प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे। दूसरे शब्दों में, उद्देश्य नंबर एक केवल बाइबिल सामग्री में महारत हासिल करना है। संभवतः इस पाठ्यक्रम में आने से छात्रों के लिए बाइबिल की सामग्री से परिचित होने में भारी विविधता आ जाती है। आपमें से कुछ लोग बाइबिल की अच्छी पृष्ठभूमि के साथ आते हैं और कुछ लोग बहुत कम पृष्ठभूमि के साथ आते हैं। लेकिन आप इस पाठ्यक्रम में जिस भी स्तर पर आएँ, मुझे आशा है कि आप इसे कुछ पायदान ऊपर उठाएंगे। तो आप निर्गमन से लेकर नहेमायाह तक की संपूर्ण ऐतिहासिक सामग्री को पढ़ने जा रहे हैं और आप मेरिल की चर्चा पढ़ने जा रहे हैं; इन सभी प्रमुख घटनाओं और लोगों के साथ-साथ वह सभी बुनियादी सामग्री जो उस पढ़ने से आती है। इसके महत्व को कम न करें क्योंकि यह प्राथमिक है। एक निश्चित अर्थ में, यह आवश्यक रूप से मूलभूत है। आपको इसे जानना होगा और आज चर्चों में बाइबल सामग्री के ज्ञान की कमी बढ़ती जा रही है।

दो, मुझे आशा है कि आप छुटकारे वाले इतिहास के संदर्भ में पुराने नियम की घटनाओं के अर्थ और महत्व के ज्ञान को प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे। सिडनी ग्रीडानस की रीडिंग के संदर्भ में मैंने जो चर्चा की है, वह वापस आ जाती है। आप 1 शमूएल 17 डेविड और गोलियथ मार्ग पर काम कर रहे हैं। एक बार जब आप सिद्धांतों को जान लेते हैं, तो आप उन्हें सभी ऐतिहासिक आख्यानो और नए नियम में भी लागू करने में सक्षम होंगे।

तीन, आप पुराने नियम के इतिहास को स्पष्ट करने वाली विभिन्न विश्वसनीयता वाली कुछ पुरातात्विक खोजों का ज्ञान प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे। जब हम यहोशू और न्यायाधीशों के काल में पहुँचते हैं और फिर राजाओं के काल में पहुँचते हैं तो पुरातात्विक अनुसंधान अधिकाधिक उपयोगी होता जाता है। इसने प्राचीन दुनिया के पूरे इतिहास को इस तरह से खोल दिया है जिसके बारे में सौ साल पहले किसी को भी कुछ नहीं पता था। तो हम कक्षा में उनमें से कुछ के बारे में बात करेंगे। आपमें से जिन लोगों की नींव बाइबिल के इतिहास में है - हम वहां इस पर चर्चा करते हैं - वहां एक खंड है जहां मैं चर्चा करता हूँ कि पुरातत्व क्या कर सकता है और क्या नहीं। अब मैं नहीं चाहता कि आप पुरातत्व को किसी प्रकार के अंतिम अधिकार के रूप में देखें जो पवित्रशास्त्र को देखने के आपके तरीके पर शासन करता है। यह किसी प्रकार का वैज्ञानिक स्थापित सत्य नहीं है जो आपको पुराने नियम के ऐतिहासिक निष्कर्षों को त्यागने या अस्वीकार करने के लिए मजबूर कर सकता है। यदि आप पुरातात्विक अनुसंधान और पुरातत्वविदों के लेखन में जाएंगे तो आप पाएंगे कि आप पुरातात्विक डेटा की व्याख्या कैसे करते हैं, इस पर उतने ही अलग-अलग राय हैं, जितना कि आप बाइबिल के प्रश्नों की व्याख्या कैसे कर सकते हैं, इस पर मतभेद हैं। एक ओर, रूढ़िवादी बाइबल को सिद्ध करने के लिए पुरातत्व का उपयोग करेंगे। दूसरी ओर, गैर-रूढ़िवादी बाइबल का खंडन करने के लिए पुरातत्व का उपयोग करेंगे। यह उस प्रकार की पराजय है। हम कुछ ऐसे स्थानों को देखना चाहते हैं जहां पुरातत्व ने पुराने नियम के इतिहास पर प्रकाश डाला है।

चौथा, मुझे आशा है कि आप पुराने नियम की ऐतिहासिक स्थिति की विश्वसनीयता के विरुद्ध पढ़ने में कुछ तर्कों के बारे में जागरूकता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे और साथ ही ऐसे आरोपों पर उचित प्रतिक्रिया भी दे सकेंगे। मुझे लगता है कि 1800 के दशक के मध्य से लेकर आज तक आधुनिक धर्मशास्त्र के मूलभूत प्रश्नों में से एक बाइबिल के ऐतिहासिक सत्य और बाइबिल के संदेश के संबंध का प्रश्न है। जब आप ऐतिहासिक विश्वसनीयता पर सवाल उठाना शुरू करते हैं तो क्या आप बाइबिल के संदेश को थामे रह सकते हैं? क्या आप धार्मिक प्रमाण और ऐतिहासिक प्रमाण के बीच अंतर कर सकते हैं? क्या आप कह सकते हैं कि बाइबिल धार्मिक रूप से सत्य है लेकिन ऐतिहासिक रूप से गलत है? यह एक ऐसा प्रश्न है जिस पर बार-बार बहस होती रही है। दुर्भाग्य से ईसाई धर्म की दुनिया में कुछ लोग ऐसे हैं जो कहते हैं कि जब हम बाइबिल पढ़ते हैं तो हम जिस

चीज़ में रुचि रखते हैं वह इतिहास नहीं है बल्कि यह यीशु मसीह में मुक्ति का संदेश है। तो फिर मेरा प्रश्न यह है: क्या आप बाइबिल के आख्यानो की ऐतिहासिक विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की राह पर चलने के बाद मसीह में मुक्ति के संदेश और उस संदेश की सत्यता पर कायम रह सकते हैं? मुझे नहीं लगता कि आप कर सकते हैं। मुझे लगता है कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण चर्चा है।

पांचवां, बाइबिल की व्याख्या के ठोस तरीकों का अभ्यास करने की क्षमता प्रदर्शित करता है, खासकर जब यह पुराने नियम के कथा खंडों से संबंधित हो। मैं व्याख्याशास्त्र पर चर्चा नहीं करने जा रहा हूँ, लेकिन हम बाइबिल पाठ के साथ बहुत काम करने जा रहे हैं और उस प्रक्रिया से गुजरेंगे। हम इस बारे में कुछ सीखेंगे कि पवित्रशास्त्र के कथा अनुभागों के साथ जिम्मेदार तरीके से कैसे निपटें।

I. मिस्र से मुक्ति, निर्गमन 1-11 ए. निर्गमन की पुस्तक 1. इसका नाम आइए रोमन अंक I से शुरू करें, जो कि "मिस्र से मुक्ति, निर्गमन 1-11" है, और ए उसके अंतर्गत, "निर्गमन की पुस्तक।" मैं निर्गमन की पुस्तक पर "इसका नाम" के अंतर्गत कुछ सामान्य टिप्पणियाँ करना चाहता हूँ। "एक्सोडस" का अंग्रेजी शीर्षक सेप्टुआजेंट से आया है। निस्संदेह, सेप्टुआजेंट, ओल्ड टेस्टामेंट हिब्रू (लगभग 200 ईसा पूर्व) का ग्रीक अनुवाद है। इस पुस्तक के लिए सेप्टुआजेंट में शीर्षक "एक्स ओडोस" है जो ग्रीक शब्द है जिसका अर्थ है, "बाहर निकलें" या "प्रस्थान।" वह ग्रीक वाक्यांश "एक्स ओडोस" "एक्सोडस" शीर्षक बन गया जैसा कि वुल्गेट अनुवाद के माध्यम से हमारी अंग्रेजी बाइबिल में पाया गया, जो जेरोम (लगभग 400 ईस्वी) द्वारा पुराने नियम का लैटिन अनुवाद था। इसलिए पुस्तक के लिए हमारे पास जो शीर्षक है वह वास्तव में लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है "निकास" या "प्रस्थान"।

हिब्रू परंपरा या यहूदी परंपरा में पुस्तक का शीर्षक *वेलेह शेमोट* है, जिसका अर्थ है "और ये नाम हैं।" पेंटाटेच की पांच पुस्तकों के नामों के लिए यहूदी परंपरा में परंपरा या प्रथा पुस्तक की पहली कविता के पहले शब्दों से शीर्षक लेने की है। यदि आप अपनी अंग्रेजी बाइबिल में एक्सोडस को देखें तो पहली कविता कहती है, "ये इज़राइल के पुत्रों के नाम हैं।" तो आपको *तुरंत पता चल जाएगा*, "ये नाम हैं।" वे बस उन पहले कुछ शब्दों को लेते हैं और शीर्षक के लिए उसका उपयोग

करते हैं।

अब मुझे लगता है कि "ये नाम हैं" की तुलना में हमारे पास "पलायन" शीर्षक होना कहीं बेहतर है। एक्सोडस कम से कम आपको पुस्तक की सामग्री के बारे में कुछ बताता है। "ये नाम हैं" आपको लगभग कुछ भी नहीं बताता है, यह केवल इस्राएल के पुत्रों के नाम हैं जो मिस्र गए थे।

हालाँकि, भले ही "एक्सोडस" "ये नाम हैं" से बेहतर शीर्षक है, फिर भी यह भ्रामक हो सकता है क्योंकि यह वास्तव में आपको केवल अध्याय 1-15 में क्या होता है इसके बारे में बताता है। आपने शुरुआती अध्यायों में इस्राएलियों के उत्पीड़न के बारे में पढ़ा, अगले अध्याय में आपने मूसा के जन्म के बारे में पढ़ा, और फिर मूसा को जंगल में भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। फिर वह वापस आता है और मांग करता है कि फिरौन इस्राएल को जाने दे, और आप फिरौन के साथ इन सभी वार्ताओं से गुजरें जिसके परिणामस्वरूप दस विपत्तियाँ होंगी। मिस्रियों ने इस्राएलियों को चले जाने को कहा। फिर वे चले जाते हैं और लाल सागर में फंस जाते हैं—यह अध्याय 14-15 में है जो उस जीत का जश्न मनाता है। ये पहले 15 अध्याय हैं।

जब आप अध्याय 15 से आगे बढ़ते हैं तो आप दो और बहुत महत्वपूर्ण मामलों के बारे में सीखते हैं। एक है सिनाई पर्वत पर प्रभु और इस्राएल के लोगों के बीच वाचा की स्थापना और वह सब जो उससे संबंधित है। इसमें ईश्वर का रहस्योद्घाटन है जो मूसा और इज़राइल को दिया गया है जो उस वाचा की स्थापना और लोगों की पुष्टि और उन कानूनों की स्वीकृति से जुड़ा है। तो आपको वह मिल गया, और फिर आपको तंबू के निर्माण का काफी विस्तृत विवरण भी मिला। आपको यह निर्देश मिलता है कि इसे कैसे बनाया जाना है। बाद में आपको वास्तविक निर्माण का विवरण मिलता है, और पुस्तक के अंत में चरमोत्कर्ष में भगवान नीचे आते हैं और इन लोगों के बीच तम्बू में निवास करते हैं। इसलिए शीर्षक के रूप में "एक्सोडस" पुस्तक में चल रही केवल एक महत्वपूर्ण चीज़ को दर्शाता है।

2. निर्गमन की सामग्री मुझे नाम की इस चर्चा से उस सामग्री की संक्षिप्त चर्चा की ओर ले जाती है, जो उसमें प्रवाहित होती है। जहां तक सामग्री की बात है, आपके पास यहोवा की वाचा के लोगों के रूप में इज़राइल की स्थापना का विवरण है। पुस्तक का मूल यही है - इस्राएल के इन बच्चों को

याकूब के 12 पुत्रों के माध्यम से उनके वंशजों के रूप में स्थापित करना, जो मिस्र चले गए थे और वहां बहुत सारे लोग बन गए। जैसे ही वे मिस्र छोड़ते हैं वे यहोवा के अनुबंधित लोगों के रूप में स्थापित होने के लिए सिनाई पर्वत पर जाते हैं।

तो आपके पास उत्पत्ति में जो है उससे भिन्न स्थिति है। उत्पत्ति में आपके पास एक परिवार के बारे में कहानियाँ और आख्यान हैं, शुरू में इब्राहीम, इसहाक और याकूब और उसके पुत्रों, विशेषकर जोसेफ के बारे में। लेकिन आप एक परिवार के साथ काम कर रहे हैं। आपने उत्पत्ति के अंत में और निर्गमन की पुस्तक के आरंभ में पढ़ा कि वहां लोगों का समूह बन रहा था, जो असंख्य थे। वे लोग इब्राहीम के वंशज हैं जिनसे परमेश्वर ने वादा किया था कि वह उसे एक महान राष्ट्र बनाएगा। यह उत्पत्ति 12, पद 2 में इब्राहीम से की गई प्रतिज्ञा पर वापस जाता है, "मैं तुम्हारे लिए एक महान राष्ट्र बनाऊंगा।" निर्गमन की पुस्तक में सबसे महत्वपूर्ण घटना इस राष्ट्र की ईश्वर की वाचा के लोगों के रूप में औपचारिक स्थापना है।

अब हम उस पर वापस आते हैं जिसके बारे में हमने "पलायन" शीर्षक के साथ बात की है। पलायन उस अंत का साधन है। दूसरे शब्दों में, यह निर्गमन ही है जो इज़राइल को ईश्वर से मिलने के लिए सिनाई जाने और उसकी वाचा के लोगों के रूप में स्थापित होने में सक्षम बनाता है। तो इस अर्थ में केंद्र बिंदु वह है जो सिनाई में चल रहा है। निर्गमन उस अंत का एक साधन है। तम्बू दैवीय रूप से नियुक्त स्थान है जहाँ भगवान अपने लोगों के बीच निवास करते हैं। उनके दिव्य शासक के रूप में उन्हें उनका राजा बनना था। उन्हें उसके कानून का पालन करना था। पवित्र तम्बू में पवित्र सन्दूक, उसके दोनों छोर पर करूबों के साथ था। तुम भजनों में पढ़ते हो कि यहोवा करूबों के ऊपर विराजमान है। सन्दूक यहोवा का सिंहासन है और सन्दूक के भीतर कानून है, इसी से इस्राएल पर शासन करना था। इसलिए जब तम्बू बनाया जाता है तो वास्तव में राजा ही अपने लोगों के बीच निवास करने के लिए आता है। आप कह सकते हैं कि पुस्तक में जो कुछ भी चल रहा है, वह उसका चरमोत्कर्ष है।

ताकि यदि आप वापस जाएं कि निर्गमन किस बारे में है तो मुझे लगता है कि आप कह सकते हैं कि तीन प्राथमिक चीजें चल रही हैं। पहली मुक्ति है; वह पलायन है। दूसरा, वाचा है; सिनाई में यही होता है। तीसरा तम्बू है। तो ये उन महत्वपूर्ण चीजों को दर्शाते हैं जो पुस्तक में चल

रही हैं : मुक्ति, वाचा और तम्बू। टेबरनेकल एक ऐसी चीज़ है जिस पर आप हमेशा ध्यान नहीं दे सकते। लेकिन जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया था, आपको अध्याय 25-31 में तम्बू का निर्माण करने के निर्देश दिए गए थे। वह सात अध्याय है। यह उन सभी सामग्रियों और तरीकों को सूचीबद्ध करने वाला एक प्रकार का थकाऊ विवरण है जिनसे चीजें बनाई जानी थीं। लेकिन फिर बाद के अध्याय 35-39 में आपके पास तंबू के वास्तविक निर्माण का विस्तृत विवरण है, यानी पाँच और अध्याय। तो आपके पास पुस्तक के 12 अध्याय हैं, यानी पुस्तक का लगभग 1/3 भाग, तम्बू से संबंधित है। और अध्याय 40 में जब परमेश्वर अपने लोगों के बीच तम्बू में निवास करने के लिए आता है, तो यह पूरी किताब का चरमोत्कर्ष है। अब मैंने उल्लेख किया है कि तम्बू के निर्देश अध्याय 25-31 में हैं और वास्तविक निर्माण 35-39 है। बीच में अध्याय 32-34 है। क्या किसी को पता है कि तम्बू और वास्तविक भवन के निर्माण के निर्देशों के बीच अध्याय 32-34 में क्या है? आपके पास सोने के बछड़े की घटना और इस्राएल का धर्मत्याग, प्रभु से विमुख होना है। एक लेखक का कहना है कि अध्याय 32-34 में आपने जो वर्णन किया है वह इज़राइल की तम्बू-विरोधी परियोजना है - स्वर्ण बछड़े की पूजा। इस्राएल को इस प्रकार यहोवा की आराधना नहीं करनी थी। इसलिए समग्र रूप से देखने पर मुझे लगता है कि आप कह सकते हैं कि पुस्तक धर्मतंत्र की स्थापना का वर्णन करती है। अब ईश्वर ही शासक है। यह एक ऐसा राष्ट्र है जिसमें ईश्वर को सर्वोच्च शासक के रूप में मान्यता दी जाती है - यह एक धर्मतंत्र है। सिनाई में दी गई वाचा की शर्तों के अनुसार, राष्ट्र को स्वयं प्रभु द्वारा अपने वाचा मध्यस्थों, मूसा और महायाजकों के प्रमुख प्रतिनिधियों के माध्यम से शासित किया जाना था।

3. पेंटाटेच में एक्सोडस का स्थान      अब, इस पुस्तक एक्सोडस को आम तौर पर पवित्रशास्त्र के प्रवाह के साथ रखा गया है। मुझे लगता है कि जब आप पेंटाटेच को देखते हैं तो आप पाते हैं कि उत्पत्ति मोज़ेक युग की पृष्ठभूमि प्रदान करती है। दूसरे शब्दों में, उत्पत्ति मूसा के समय तक के इतिहास की व्याख्या करती है। बेशक, शुरुआती अध्याय बताते हैं कि दुनिया में पाप कैसे आया और उसके प्रभाव क्या थे। इसलिए उत्पत्ति मोज़ेक युग की पृष्ठभूमि देती है और मोज़ेक युग पुराने नियम में मौजूद हर चीज़ का आधार है। अब विशेष रूप से सिनाई वह नींव है जिस पर बाकी सब

कुछ बनाया जाता है जब आप भविष्यवक्ताओं तक पहुंचते हैं। उदाहरण के लिए, भविष्यवक्ताओं को कभी-कभी धार्मिक नवप्रवर्तक और एकदम नए विचारों का प्रवर्तक कहा जाता है। इसके विपरीत, पैगम्बर धार्मिक सुधारकों से कहीं अधिक थे। वे लोगों को उनकी वाचा की नींव पर वापस बुला रहे थे। वे लोगों को वापस भगवान के पास बुला रहे थे। अब, हाँ, कुछ पूर्वानुमानित खंड हैं जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि ईश्वर क्या करने जा रहा है, लेकिन यह सब सिनाई में जो स्थापित किया गया था उसकी नींव पर बनाया गया है।

4. ओटी को देखने का ग्रीन का 4-गुना तरीका      बस इसे थोड़ा और विस्तार से बताने के लिए, 1800 के दशक में विलियम हेनरी ग्रीन के नाम से प्रिंसटन सेमिनरी में एक पुराने नियम का विद्वान था। वह जूलियस वेलहाउज़ेन के समान ही रह रहे थे और लिख रहे थे और उनके साथ बातचीत करते थे और उनके खिलाफ तर्क देते थे। उन्होंने पुराने नियम की संरचना के बारे में बात की। वह पेंटाटेच, या मूसा के कानून को देखने का एक शानदार तरीका लेकर आए, उन्होंने कहा कि यह पूरे पुराने नियम का आधार है। निःसंदेह यह सही है। इसलिए हम अन्य ऐतिहासिक पुस्तकों की तुलना में एक्सोडस में अधिक समय व्यतीत करेंगे। मूसा का कानून मूलभूत आधार है। ग्रीन का कहना है कि ऐतिहासिक पुस्तकें आपको पेंटाटेच में जो मिलती हैं उसका संभावित अनुप्रयोग हैं। वे जिन काव्य पुस्तकों की बात करते हैं, वे पेंटाटेच फाउंडेशन के व्यक्तिपरक विनियोग के रूप में बोलते हैं। वह भविष्यसूचक पुस्तकों को मूसा के कानून के वस्तुनिष्ठ प्रवर्तन के रूप में बोलता है। इसलिए ऐतिहासिक पुस्तकें संभावित अनुप्रयोग हैं, काव्यात्मक पुस्तकें व्यक्तिपरक विनियोग हैं और भविष्यसूचक पुस्तकें वस्तुनिष्ठ प्रवर्तन हैं, ये सभी मसीह की वाचा की ओर इशारा करती हैं। तो आप पुराने नियम में मिलने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्रियों के लिए एक संरचना देखते हैं जिनकी नींव पेंटाटेच या टोरा है।

5. निर्गमन की सुसंगतता पर लेख      बी पर जाने से पहले, अपनी ग्रंथ सूची में पृष्ठ दो पर जाएँ। मैं आपका ध्यान केवल दो लेखों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। 1ए के अंतर्गत, हम यहीं हैं, एरी लेडर के दो लेख हैं। एक को "रीडिंग एक्सोडस टू लर्न एंड लर्निंग टू रीड एक्सोडस" कहा जाता है

और दूसरे को "द कोहेरेंस ऑफ एक्सोडस: नैरेटिव यूनिटी एंड मीनिंग" कहा जाता है, जो 1999 और 2001 में केल्विन थियोलॉजिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ था। मुझे लगता है कि आपको वे स्रोत रोचक और उपयोगी लग सकते हैं। मैं उस दूसरे लेख, "द कोहेरेंस ऑफ एक्सोडस" से एक पैराग्राफ पढ़ना चाहता हूँ। लेडर कहते हैं, "आदम और हव्वा को ईश्वरीय निर्देश से इनकार करने के कारण ईडन गार्डन में ईश्वर की उपस्थिति से निष्कासित कर दिया गया था। निर्गमन में जब महिमा का बादल नवनिर्मित तम्बू में भर जाता है तो परमेश्वर इब्राहीम और सारा के माध्यम से आदम और हव्वा के वंशजों के बीच में निवास करता है। अब आदम और हव्वा परमेश्वर की उपस्थिति में थे और उनकी उपस्थिति से निष्कासित कर दिये गये। अब वह जो कह रहा है वह यह है कि ईश्वर इब्राहीम के माध्यम से आदम और हव्वा के वंशजों के बीच फिर से निवास करने आ रहा है। "आदम के वंशज ईश्वर की उपस्थिति में हैं इसलिए नहीं कि उन्हें वापस जाने का रास्ता मिल गया, बल्कि इसलिए कि ईश्वर उन्हें अपने पास ले आए हैं।" यह निर्गमन 19:4 से है जहाँ यह कहा गया है जब वे सिनाई आये थे, "मैं तुम्हें अपने पास ले आया हूँ।" "इसके अलावा वे उनकी तत्काल उपस्थिति में भी नहीं हैं। इज़राइल की पापपूर्णता के लिए एक दूरी की आवश्यकता होती है जिसे केवल एक विशेष नियुक्त पुरोहिती द्वारा ही दूर किया जा सकता है। और अब आप देख रहे हैं कि उस दूरी का कोई मतलब है। केवल महायाजक ही वर्ष में एक बार उस प्रत्यक्ष उपस्थिति में प्रवेश कर सकता था। लेकिन फिर भी कुछ हद तक पतन से पहले की स्थिति की बहाली हुई है जब भगवान और उनके लोगों के बीच यह संवाद था। भगवान अपने लोगों के साथ मौजूद थे और अब भगवान अपने लोगों के बीच फिर से निवास करते हैं।

बी. निर्गमन की ऐतिहासिक सेटिंग: निर्गमन की तिथि आइए बी पर चलते हैं, जो कि पुस्तक के लिए "ऐतिहासिक सेटिंग" है। और मेरे पास सबसे पहले है "निर्गमन की तारीख की समस्या।" याद रखें उन प्रारंभिक हैंडआउट्स में से एक में मैंने कहा था कि पलायन 1400-1200 ईसा पूर्व के आसपास हुआ था, इस पर लंबे समय से बहस चल रही है और यह अभी भी चल रही है और संभवतः आने वाले कई वर्षों तक चलती रहेगी कि ऐतिहासिक रूप से पलायन को कैसे देखा जाए। मिस्र का संदर्भ. बाइबल हमें प्राचीन मिस्र के इतिहास के बारे में बहुत अधिक जानकारी नहीं देती है और न



ही यह हमें उत्पीड़न या निर्गमन के फिरौन के नाम बताती है। निर्गमन के उन प्रारंभिक अध्यायों में दो फिरौन के बारे में बात की गई है। एक वह जुल्म करने वाला फिरौन है जो मर गया, और फिर मूसा, जंगल में जाने के बाद उस फिरौन की मृत्यु के बाद मिस्र वापस आता है। तो निर्गमन का फिरौन और उत्पीड़न का पिछला फिरौन है। ऐतिहासिक सेटिंग का प्रश्न यह निर्धारित करने का प्रयास करता है कि वे दो फिरौन कौन थे। मुझे लगता है कि यह तथ्य कि हम नामों को नहीं जानते हैं, और बाइबल उन्हें हमें देने के बारे में विशेष रूप से चिंतित नहीं दिखती है, किसी तरह से बाइबिल के इतिहासलेखन की विशेष प्रकृति की ओर इशारा करती है, जिसके अपने हित और अपनी चिंताएँ हैं। और यह मुक्ति का इतिहास है, मिस्र का इतिहास नहीं।

1. फिरौन का कोई नाम नहीं दूसरी ओर, यह दिलचस्प है कि मिस्र के इतिहास में इस समय के शासक को "फिरौन" की उपाधि देना मिस्रवासियों द्वारा अपने शासकों के बारे में बात करने के तरीके से मेल खाता है। मिस्र के साहित्य में दसवीं शताब्दी ईसा पूर्व से पहले "फिरौन" की उपाधि का उपयोग व्यक्तिगत नाम के बिना किया जाता था। दूसरे शब्दों में, 900 के दशक के बाद के समय तक ऐसा नहीं था कि आप फिरौन के नाम को इससे जोड़कर देखना शुरू कर दें। शीर्षक। अब यहाँ दिलचस्प बात यह है कि यह बिल्कुल बाइबल में आपको जो मिलता है, उसके समान है। दूसरे शब्दों में, दसवीं शताब्दी से पहले मिस्र के नेता का संदर्भ केवल "फिरौन" के रूप में नामित किया गया था। जब आप दसवीं शताब्दी और उससे आगे पहुँचते हैं तो यह फिरौन शीशक या फिरौन नेचो या फिरौन होफ़्रा होता है। यह शीशक ही था जिसका उल्लेख 925 ईसा पूर्व में हुआ था जिसने रहुबियाम के समय फ़िलिस्तीन पर आक्रमण किया था, आप इसे 1 राजा 11:40 में पाते हैं। 2 इतिहास 35:20 में फिरौन नेचो के बारे में बात की गई है, इसलिए यह 600 के दशक में योशियाह का समय है। फिरौन होफ़्रा 586 ईसा पूर्व से ठीक पहले यिर्मयाह 44 में है। दूसरे शब्दों में, यह तथ्य कि बाइबिल में इन फिरौन के नामों का उल्लेख नहीं है, कुछ भी असामान्य नहीं है; वास्तव में, यह उस समय के मिस्र के उपयोग से भी पूरी तरह मेल खाता है।

2. निर्गमन की तिथि के बारे में दो दृष्टिकोण उन इंजील विद्वानों के बीच, जो आम तौर पर निर्गमन

की बाइबिल कहानी की ऐतिहासिकता को स्वीकार करते हैं, निर्गमन की तिथि के बारे में लंबे समय से दो विचार रहे हैं। कुछ विद्वानों का तर्क है कि जिसे निर्गमन की प्रारंभिक तिथि कहा जाता है, वह 1400 के दशक की 18<sup>वीं</sup> राजवंश की तिथि है। आम तौर पर जो लोग इसके लिए तर्क देते हैं वे कहते हैं कि थुटमोस III उत्पीड़न का फिरौन था और पलायन का फिरौन अमेनहोटेप II था। मैंने पावर प्वाइंट पर 18<sup>वें</sup> राजवंश का शासन दिया है: आप देखिए कि वे उनके लिए तारीखों से कैसे निपटते हैं। यदि आप 19<sup>वीं</sup> राजवंश की तारीख लेते हैं, जिसे कुछ अन्य लोग ई एक्सोडस की "

पिछली तारीख" मानते हैं, तो आपके पास 1200 के दशक में उत्पीड़न के फिरौन के रूप में सेती प्रथम और एक्सोडस के फिरौन के रूप में रामसेस द्वितीय होगा। एक। साहित्य का सर्वेक्षण यदि आप 1बी के अंतर्गत अपनी ग्रंथ सूची को देखें, तो आप वहां लगभग दो पृष्ठों के संदर्भ देखेंगे। आइए मैं इनमें से कुछ लेखकों के बारे में बताता हूँ और आपको कुछ प्रारंभिक तिथि समर्थकों और कुछ देर तिथि अधिवक्ताओं के बारे में एक विचार देता हूँ। ग्लीसन आर्चर, वहां पहली प्रविष्टि, एक प्रारंभिक तिथि अधिवक्ता है। जॉन बिम्सन, *रि-डेटिंग द एक्सोडस एंड कॉन्क्वेस्ट*, और कई अन्य लेख, ये सभी प्रारंभिक तिथि के हैं। केए किचन एक दिवंगत वकील हैं। पृष्ठ 3 पर जाएँ, यूजीन मेरिल, आप उसे पढ़ रहे होंगे, वह एक प्रारंभिक तिथि प्रस्तावक है। ब्रूस वाल्टके और ब्रायंट वुड दोनों शुरुआती दौर के हैं। इसलिए मुझे लगता है कि वे कुछ प्रमुख लोग हैं जो किसी एक या दूसरे के लिए तर्क देते हैं।

इस बिंदु से मैं जो करना चाहता हूँ वह उन प्रमुख तर्कों पर नजर डालना है जो इस प्रश्न के दोनों पक्षों में दिए गए हैं। दूसरे शब्दों में, 1200 के दशक में 19<sup>वें</sup> राजवंश की देर से तारीख के लिए कुछ तर्क क्या हैं और 1400 के दशक में 18<sup>वें</sup> राजवंश की प्रारंभिक तिथि, स्थिति के लिए कुछ तर्क क्या हैं। मैं इन तर्कों को संक्षिप्त रूप में देना चाहता हूँ। हम इस प्रश्न पर घंटों बिता सकते हैं। यह बेहद जटिल हो सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि आपको कुछ अंदाजा होगा कि मिस्र के इतिहास में निर्गमन को रखने के संबंध में मतभेद क्यों है।

### 3. देर से तारीख तर्क

एक। निर्गमन 1:11: पिथोम और रामसेस

इसलिए सबसे पहले मैं आपको देर से डेट के लिए कुछ प्रमुख तर्क देना चाहता हूं। हम इस 19<sup>वें</sup> राजवंश से शुरुआत करेंगे . पहला तर्क वास्तव में बाइबिल का मुख्य पाठ है जो देर की तारीख का समर्थन करता है। देर की तारीख के लिए पहला तर्क वही है जो निर्गमन 1:11 में कहा गया है। आप निर्गमन 1:11 में पढ़ते हैं, "मिस्रियों ने इस्राएलियों पर दास स्वामी नियुक्त कर दिए, ताकि वे उन पर बलात श्रम करा सकें और उन्होंने फिरौन के लिए भंडार नगरों के रूप में पिथोम और रामसेस का निर्माण किया।" इसलिए इस्राएलियों को अपने उत्पीड़न में फिरौन के लिए इन दो शहरों का निर्माण करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिनमें से एक को रामसेस कहा जाता है। अब आप देखिये रामसेस 19<sup>वें</sup> थ राजवंश शासक. उन दो स्थानों के नामों, पिथोम और रामसेस के संबंध में साइट की पहचान के बारे में बहुत चर्चा हुई है। यदि आप स्लाइड के उस प्रिंट को देखते हैं, तो आपको दाईं ओर, बीच में, वाडी तुमिलाट और फिर उसके ठीक नीचे टेल एल-रेताबेह या टेल एल-मास्कूटा दिखाई देता है। पिथोम को आमतौर पर उन दो स्थानों में से एक माना जाता है। लंबे समय तक अन्य साइट रामसेस को मानचित्र के शीर्ष पर तानिस नामक केंद्रीय साइट से जोड़ा गया था, लेकिन हाल ही में खुदाई और जांच ने अधिकांश विद्वानों को यह निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित किया है कि या तो कांतिर या तेल अल-दबा, और कोष्ठक में नीचे , अवारिस, उन दो साइटों में से एक है; हम उन दोनों को एक दूसरे के ठीक बगल में देखते हैं। अब खुदाई से पता चलता है कि उन दोनों स्थलों पर निर्माण कार्य सेती प्रथम, जो 19<sup>वें</sup> राजवंश का था, और रामसेस द्वितीय द्वारा किया गया था। उन दोनों ने वहां निर्माण किया। अब इस देर की तारीख के संबंध में अक्सर जो कहा जाता है वह यह है कि हिक्सोस के समय से किसी भी फिरौन ने डेल्टा क्षेत्र की राजधानी में निर्माण नहीं किया था।

बी। हिक्सोस 18<sup>वें</sup> राजवंश पर वापस जाएं, मिस्र के इतिहास का एक काल था जिसमें विदेशी शासक थे जो भूमि को नियंत्रित करते थे और उन्हें हिक्सोस कहा जाता था। यह 18<sup>वां</sup> राजवंश था जिसने हिक्सोस को बाहर निकाला। हिक्सोस को आम तौर पर 1750 से 1570 तक रखा जाता है। आप देखते हैं कि अहमोस प्रथम ने 1570 ईसा पूर्व में हिक्सोस को मिस्र से बाहर निकाला और मिस्र

में 18<sup>वें</sup> राजवंश की स्थापना की। अक्सर यह कहा जाता है कि हिक्सोस के समय से कोई डेल्टा राजधानी नहीं थी। हक्सोस वहां की राजधानी में थे, लेकिन तब राजधानी दक्षिण में बहुत दूर स्थित थी और यह केवल 19<sup>वें</sup> राजवंश के दौरान ही हुआ था कि आपको डेल्टा क्षेत्र में फिर से निर्माण देखने को मिला। मिस्र के उत्तरी भाग में डेल्टा क्षेत्र में 18

वें राजवंश के निर्माण का कोई साक्ष्य नहीं मिला। 4. हाल के पुरातत्व के आलोक में निर्गमन 1:11: बाद की चमक के रूप में रामसेस अब मैंने कहा कि अभी हाल तक इस पर अक्सर बहस होती थी; पुरातत्वविदों को डेल्टा में 18<sup>वें</sup> राजवंश के निर्माण कार्य के साक्ष्य नहीं मिले हैं। हालाँकि, वह दावा अब अमान्य है क्योंकि 1990 के दशक में, हाल ही में, ऑस्ट्रियाई पुरातत्वविदों की एक टीम ने अवारिस की साइट पर 18<sup>वें</sup> राजवंश का निर्माण पाया, जो उन दो साइटों में से एक है, जिनके बारे में कुछ लोगों का तर्क है कि यह निर्गमन 1 में रामसेस की साइट थी: 11, पिथोम और रामसेस। यह काम अवारिस में फिरौन अहमोस प्रथम के समय से चलता रहा, जब फिरौन ने हिक्सोस को निष्कासित कर दिया था, थुटमोस III के समय तक। 1997 में आपकी ग्रंथ सूची के पृष्ठ 2 पर जेके हॉफमायर द्वारा लिखित एक पुस्तक सूचीबद्ध है जिसका नाम है *मिस्र में इज़राइल: निर्गमन परंपरा की प्रामाणिकता के लिए साक्ष्य*। यदि आप गंभीर पुरातत्व, ऐतिहासिक सामग्री और निर्गमन परंपरा के लिए मिस्र की सेटिंग में रुचि रखते हैं तो यह एक बहुत अच्छी किताब है। इसे 1997 में ऑक्सफोर्ड प्रेस द्वारा प्रकाशित किया गया था। पृष्ठ 123 पर उस पुस्तक में, हॉफमेयर ने अवारिस में 18<sup>वें</sup> राजवंश के निर्माण की इस खोज को संबोधित किया है। वह कहते हैं, "इस अप्रत्याशित विकास का मतलब है कि पहली बार अवारिस-पी-रामसेस क्षेत्र में ईंटों से बनी पर्याप्त इमारत का सबूत मिला है," आप देख सकते हैं कि यह वह क्षेत्र है जहां वे दो बिंदु उस मानचित्र पर हैं, "प्रस्थान के तुरंत बाद हिक्सोस की और 18<sup>वें</sup> राजवंश के मध्य तक क्षेत्र में उपस्थिति जारी रही। क्या अहमोस के किले और संबंधित सुविधाओं से जुड़ा निर्माण निर्गमन 1 में उल्लिखित इजरायली उत्पीड़न और ईंट बनाने की शुरुआत का प्रतीक हो सकता है? वह इसे एक प्रश्न के रूप में रखता है। "यदि ऐसा है, तो रामसेस नाम को रामसेस काल की बाद की शब्दावली के रूप में समझा जाना चाहिए।" दूसरे शब्दों में, वहाँ एक पुरातन स्थान का नाम था, नाम बाद में बदल दिया गया था, लेकिन इज़रायली पहले से ही वहाँ काम कर रहे थे। लेकिन हम इस प्रश्न पर बाद में वापस

आएंगे। जहां तक देर की तारीख के समर्थकों का सवाल है, 19<sup>वीं</sup> राजवंश की तारीखें, प्रमुख बाइबिल पाठ जो इस देर की तारीख के समर्थन की ओर इशारा करता है वह निर्गमन 1:11 में पिथोम और रामसेस का संदर्भ है।

5. नेल्सन ग्लूक और ट्रानास-जॉर्डन और नम्ब की स्थिति। 20:14-17 13वीं शताब्दी से पहले अस्तित्व में नहीं था और मैं आपको देर की तारीख के लिए एक और तर्क देता हूं, फिर हम विराम लेंगे। दूसरा तर्क ट्रानस-जॉर्डन के क्षेत्र में नेल्सन ग्लूक नाम के एक व्यक्ति द्वारा किए गए पुरातात्विक सर्वेक्षणों से आता है, जो कि जॉर्डन नदी के पूर्व का क्षेत्र है। नेल्सन ग्लूक ने उन क्षेत्रों की यात्रा की जो पुराने नियम के समय में मोआब और एदोम के क्षेत्र थे। उन्होंने पुरातत्व सर्वेक्षण किया और उनका निष्कर्ष था कि 1300 ईसा पूर्व या उससे लगभग पाँच शताब्दी पहले मोआब और एदोम में कोई "गतिहीन आबादी" नहीं थी। जब आप संख्या 20 पर जाते हैं, जब इस्राएल मिस्र छोड़ कर वादा किए गए देश की ओर बढ़ रहा था तो आप संख्या 20:14 में पढ़ते हैं कि मूसा ने कादेश से, जहां वे डेरा डाले हुए थे, दूतों को एदोम के राजा के पास यह कहते हुए भेजा, "यह वही है जो तेरा भाई इस्राएल कहता है, कि तू जानता है, कि हम पर कितनी कठिनाइयां आई हैं। हमारे पूर्वज मिस्र चले गये थे, हम कई वर्षों तक वहाँ रहे। मिस्र ने हम से और हमारे बापदादों से बुरा बर्ताव किया, परन्तु जब हम ने यहोवा की दोहाई दी, तब उस ने अपना दूत भेजकर हमें मिस्र से निकाल लिया। अब हम यहां आपके क्षेत्र के किनारे कादेश में हैं। आइए हम आपके देश से होकर गुजरें। हम किसी खेत या अंगूर के बगीचे से नहीं गुजरेंगे," यह अंगूर के बागों और खेती वाले खेतों के साथ गतिहीन आबादी की तरह लगता है, "या किसी कुएं से पानी नहीं पीएंगे; जब तक हम तेरे देश से होकर न निकल जाएं, तब तक हम राजा के मार्ग पर न दाहिनी ओर मुड़ेंगे और न बाईं ओर चलेंगे।" एदोम ने उत्तर दिया, 'तुम पार नहीं कर सकते, तुम कोशिश कर सकते हो और हम तुम पर तलवार से हमला करेंगे।' इस्राएलियों ने उत्तर दिया, 'हम मुख्य मार्ग से चलेंगे और यदि हम या हमारे पशु तुम्हारा पानी पीएंगे तो हम उसका मूल्य चुकाएंगे, हम केवल पैदल ही गुजरना चाहते हैं।" तब उन्हें उत्तर मिला, तुम नहीं जा सकते। तब एदोम एक बड़ी और शक्तिशाली सेना के साथ उनके विरुद्ध निकला। "चूंकि एदोम ने उन्हें अपने क्षेत्र से जाने देने से इनकार कर दिया, इसलिए इस्राएल ने उनसे मुंह

मोड़ लिया।" अब नेल्सन ग्लूक आते हैं और वह कहते हैं कि मोआब और एदोम के क्षेत्रों में 1300 ईसा पूर्व से पांच शताब्दी पहले कोई गतिहीन सभ्यता नहीं थी, इसलिए 1400 में 18<sup>वें</sup> राजवंश के पलायन की प्रारंभिक तिथि, नेल्सन ग्लूक के अनुसार काम नहीं करती है और उसका पुरातत्व सर्वेक्षण.

अब उस उद्धरण संग्रह को देखो जो मैंने तुम्हें दिया था। पृष्ठ 4, पृष्ठ के मध्य में पैराग्राफ सी। यह जैक फाइनगन की पुस्तक *लाइट फ्रॉम द एंशिंट पास्ट* का पैराग्राफ है। फाइनगन ग्लूक के इस कथन से सहमत हैं, "लेकिन जल्दी पीतल आयु सभ्यता का ट्रांसजॉर्डन गायब हुआ के बारे में 1900 ईसा पूर्व और से तब जब तक ऊपर पूर्व संध्या का लोहा आयु वहाँ है ए अंतर में इतिहास का स्थायी गतिहीन पेशा में वह भूमि। नहीं जब तक शुरुआत का THIRTEENTH सदी "वह 1200 का दशक होगा," किया ए नया कृषि सभ्यता के जैसा लगना संबंधित नहीं को एडोमाइट्स, मोआबाइट्स, Ammonites और एमोराइट्स. इसलिए परिस्थिति पूर्वकल्पित में नंबर 20:14-17 किया नहीं अस्तित्व पहले THIRTEENTH शतक ईसा पूर्व लेकिन किया प्रचलित होना से वह समय पर, बिल्कुल जैसा प्रतिबिंबित में बाइबिल. अगर इस्राएलियों था आना द्वारा दक्षिण ट्रांसजॉर्डन पर कोई समय अंदर के पिछले 600 साल वे चाहेंगे पास मिला कोई भी नहीं एदोमी और न मोआबी राज्यों में अस्तित्व और केवल छितरा हुआ खानाबदोश चाहेंगे पास विवादित उनका रास्ता। लेकिन आ रहा कभी अ में THIRTEENTH शतक जैसा हम पास कारण के लिए विश्वास वे किया, वे मिला उनका रास्ता अवरोधित पर शुरू द्वारा कुंआ का आयोजन किया और कुंआ दृढ़ साम्राज्य का एदोम. "

6. हाल के पुरातत्व में 1300 के दशक में ट्रांस-जॉर्डन में गतिहीन आबादी थी। अब यह दूसरा तर्क है, 1300 के दशक से पहले पांच शताब्दियों तक मोआब और एदोम में कोई गतिहीन आबादी नहीं थी, जो निर्गमन के लिए बाद की तारीख के अनुरूप प्रतीत होती है। हालाँकि, मुझे इसमें जाने में समय नहीं लगेगा। यदि आप अपनी ग्रंथ सूची देखें, पृष्ठ 3, तो जीन मैटिंगली का एक लेख है, जिसका नाम है, "द एक्सोडस-कॉन्क्वेस्ट एंड द आर्कियोलॉजी ऑफ ट्रांस-जॉर्डन: न्यू लाइट ऑन एन ओल्ड प्रॉब्लम।" मैटिंगली का तर्क है कि 1300 के दशक से पहले गतिहीन आबादी के प्रमाण

मौजूद हैं। इसलिए हमें इस निष्कर्ष पर पहुंचने में इतनी जल्दी नहीं करनी चाहिए कि स्थिति वैसी ही है जैसी नेल्सन ग्लूक की पुस्तक में वर्णित है। पुरातात्विक साक्ष्य अस्पष्ट हैं। लेकिन निर्गमन की देर की तारीख के पक्ष में यह दूसरा तर्क है। मुझे लगता है कि हमें एक ब्रेक लेने की जरूरत है. हम यहां रुकेंगे और ब्रेक से लौटने पर आगे बढ़ेंगे।

टेड हिल्लेब्रांट द्वारा निर्धारित  
पीटर फील्ड द्वारा प्रतिलेखित टेड हिल्लेब्रांट द्वारा रफ संपादित  
केटी एल्स द्वारा अंतिम संपादन  
टेड हिल्लेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया